MVS FOUNDATION

FREE NOTES

PAINTING (332)

CHAPTERWISE NOTES

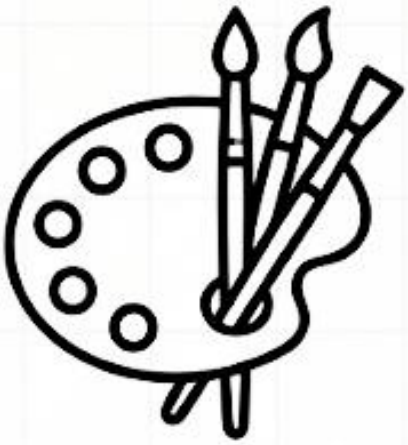

PAINTING

Sl. No.	Module	Chapters (Public Examination)	Marks
1	**Module 1: . Historical Appreciation of Painting and Sculpture**	1. Prehistoric Painting of India 2. Painting of Indus Valley Civilization 3. Ajanta and Post Ajanta Painting	12
2	**Module 4: Tribal and Folk Art in India**	L-15: Folk and Tribal Art	6

Component	Details	Marks
Public Exam (Selected Modules 2,4)	Total Chapters : 4	18
Practical Exam	Practical	60
TMA	Tutor Marked Assignment	8
Final Possible Marks		**86 Marks**

विषय- सूची

1	भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला
2	सिंधु घाटी सभ्यता की चित्रकला
3	अजंता एवं उत्तर-अजंता चित्रकला
4	लोक एवं आदिवासी कला

1

भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला

परिचय

भारत की **प्रागैतिहासिक चित्रकला** मानव की प्रारम्भिक रचनात्मक अभिव्यक्ति को दर्शाती है। गुफाओं की दीवारों पर बने ये शैलचित्र हमें प्राचीन मानव के जीवन, शिकार, प्रकृति और सामाजिक गतिविधियों की झलक देते हैं। यह चित्रकला भारतीय कला इतिहास की सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण विरासत है।

भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला

- **प्रागैतिहासिक चित्रकला** : वह चित्रकला जो प्राचीन मानव द्वारा गुफाओं की दीवारों पर बनाई गई।
- प्राचीन मानव गुफाओं में रहता था और पत्थरों से शिकार करता था।
- लगभग **40,000 वर्ष पूर्व** चित्रकला और रेखांकन प्रारम्भ हुआ।
- लगभग **12,000 वर्ष पूर्व** मध्य पाषाण युग की विभिन्न चित्रकलाएँ प्राप्त हुईं।
- इस अध्याय में पूर्व पाषाण युग की विभिन्न चित्रकलाओं का अध्ययन किया जाता है।

मिर्जापुर के शैलचित्र कला

बुनियादी सूचना

- मिर्जापुर शहर से लगभग **20 किमी दूर कैमूर पहाड़ियों** में गुफाएँ स्थित हैं।
- गुफाओं की दीवारों और छतों पर प्राचीन मानव द्वारा चित्र बनाए गए।
- लगभग **250 शैलाश्रय** पाए गए हैं।
- चित्रों में **हाथी, सूअर, बाघ** आदि पशु दर्शाए गए।
- जंगली तथा पालतू पशु दोनों चित्रित हैं।

शीर्षक : आदिम शिकारी

- **माध्यम** : मृदा तथा खनिज रंग
- **शैली** : प्रागैतिहासिक
- **काल** : लगभग 5000 ईसा पूर्व

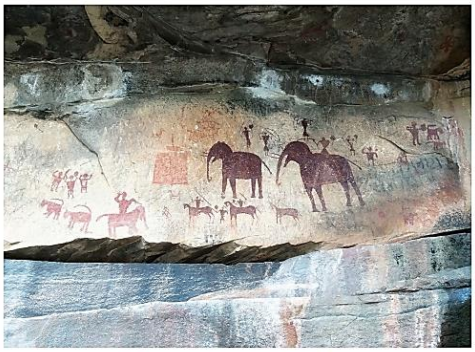

चित्र 1.1: 'आदिम शिकारी', मिर्ज़ापुर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

सामान्य विवरण

- चित्र में एक घुड़सवार भाला लेकर बाघ का पीछा करता दिखाया गया है।
- शिकार प्रमुख विषय है।
- समूह में शिकार करने का दृश्य दिखाया गया है।
- रंगों का प्रयोग सीमित है।
- प्रमुख रंग : **लाल, काला, पीला**।
- पशु आकृतियाँ मानव आकृतियों से अधिक स्पष्ट हैं।

पंचमढ़ी के शैलचित्रकला

बुनियादी सूचना

- पंचमढ़ी की पहाड़ियाँ **मध्य प्रदेश** में स्थित हैं।
- यहाँ अनेक शैलाश्रय फैले हुए हैं।
- विभिन्न विषयों का चित्रांकन किया गया है।
- "पंच-मढ़ी" का अर्थ : पाँच गुफाओं का समूह।

शीर्षक : गायों की कतारें

- **माध्यम** : मृदा तथा खनिज रंग
- **शैली** : प्रागैतिहासिक
- **काल** : लगभग 5000 वर्ष ईसा पूर्व

चित्र 1.2: 'गायों की कतारें', पंचमढ़ी

सामान्य विवरण

- चित्र में एक ग्वाला गायों को चराने ले जाता हुआ दिखाया गया है।
- गायों की आकृतियाँ लगभग **ज्यामितीय शैली** में हैं।
- पृष्ठभूमि में **गेरू (लाल)** रंग।
- आकृतियों के लिए **सफेद रंग** का प्रयोग।
- आकृतियाँ शिला पर कुछ बेतरतीब ढंग से संयोजित हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- व्यक्तिगत **कलात्मकता**, स्पष्टता और संतुलन दिखाई देता है।

भीमबेटका की शैलचित्रकला

बुनियादी सूचना

- भीमबेटका **मध्य प्रदेश में भोपाल के पास** स्थित है।
- यहाँ **754 से अधिक गुफाएँ** हैं।
- चित्र विविध विषयों पर आधारित हैं।
- चित्र मध्य पाषाणकालीन शिकारी-संग्रहकर्ता मानव द्वारा बनाए गए।
- मानव और पशुओं के संबंध दर्शाए गए।
- चित्रों में **बैल, जंगली भैंसा, जंगली सूअर, हाथी** आदि दर्शाए गए।

शीर्षक : योद्धा

चित्र 1.3: 'योद्धा', भीमबेटका

- **माध्यम** : मृदा तथा खनिज रंग
- **शैली** : प्रागैतिहासिक
- **काल** : लगभग 5000 वर्ष ईसा पूर्व

सामान्य विवरण

- चित्र में अनेक मानव आकृतियाँ पशुओं के साथ दिखाई गई हैं।
- सभी मानव आकृतियाँ **आदिम हथियार** लिए हुए हैं।
- पुरुष जंगली पशुओं को पकड़ने या मारने जाते दिखते हैं।
- आकृतियाँ **गतिशीलता** दर्शाती हैं।
- चार पुरुष आकृतियाँ विभिन्न पशुओं पर आक्रमण करती दिखाई गई हैं।
- चित्र में **धनुष का चित्रण** विशेष है।
- इस शैली के चित्र आज भी **वारली आदिवासी कलाकार** बनाते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला क्या है?

उत्तर- प्रागैतिहासिक चित्रकला वह चित्रकला है जो प्राचीन मानव द्वारा गुफाओं और शिलाओं पर बनाई गई। यह चित्रकला मानव के जीवन, शिकार और प्रकृति से संबंध को दर्शाती है।

प्रश्न-2. मिर्जापुर के शैलचित्रों की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- मिर्जापुर के शैलचित्रों की मुख्य विशेषताएँ:

1. गुफाओं की दीवारों और छतों पर चित्र बनाए गए।

2. प्रमुख विषय शिकार है।

3. प्रमुख रंग : **लाल, काला, पीला**।

4. पशु आकृतियाँ अधिक स्पष्ट दिखाई देती हैं।

प्रश्न-3. पंचमढ़ी के शैलचित्र "गायों की कतारें" का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर- 1. चित्र में ग्वाला गायों को चराने ले जाता हुआ दिखाया गया है।

2. गायों की आकृतियाँ लगभग ज्यामितीय शैली में हैं।

3. पृष्ठभूमि में गेरू (लाल) और आकृतियों में सफेद रंग का प्रयोग है।

प्रश्न-4. भीमबेटका के शैलचित्रों की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- भीमबेटका के शैलचित्रों की विशेषताएँ:

1. मध्य प्रदेश में भोपाल के पास स्थित।

2. 754 से अधिक गुफाएँ हैं।

3. मानव और पशुओं के संबंध दर्शाए गए।

4. चित्रों में **गतिशीलता** और **आदिम हथियार** दिखाई देते हैं।

5. धनुष का चित्रण विशेष है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न-5. शैलचित्रों में मृदा तथा खनिज रंगों का महत्व लिखिए।

उत्तर- शैलचित्रों में मृदा तथा खनिज रंगों का महत्व:

- ये प्राकृतिक रंग होते हैं जो पत्थरों और मिट्टी से प्राप्त होते हैं।
- प्रागैतिहासिक चित्रों में रंगों की स्थायित्व और स्पष्टता देते हैं।
- सीमित रंगों से आकृतियों को स्पष्ट बनाया जाता था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2

सिंधु घाटी सभ्यता की चित्रकला

परिचय

सिंधु घाटी सभ्यता की चित्रकला प्राचीन भारतीय कलाकारों की उन्नत तकनीक, सौंदर्यबोध और रचनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मिट्टी के बर्तनों पर बने पशु, पक्षी और ज्यामितीय रूपांकन उस समय के जीवन, विश्वास और कलात्मक कौशल को दर्शाते हैं। यह चित्रकला भारतीय कला परंपरा की एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कड़ी है।

सिंधुकालीन बर्तनों पर पशु-आकृतियाँ

बुनियादी सूचना

- बर्तनों पर **बाघ, बैल, हिरण, सर्प, मछली** आदि की आकृतियाँ चित्रित।
- हिरण के शिकार का दृश्य भी प्राप्त।
- बर्तन अच्छे से पकाए गए, चमकदार और गहरे लाल रंग के।
- निचला भाग प्रायः **काले पट्टे** से रंगा गया।
- बर्तनों का उपयोग : **खाना बनाना, परोसना, भंडारण, दफनाना**।
- चित्रित बर्तन अधिकतर **भंडारण** हेतु प्रयुक्त।

शीर्षक : परोसने हेतु बर्तन जिस पर सर्प आकृति चित्रित है

- **कलाकार** : अज्ञात
- **माध्यम** : मिट्टी पर खनिज रंग
- **काल** : हड़प्पा काल
- **शैली** : हड़प्पा शैली

चित्र 2.1: परोसने हेतु बर्तन जिस पर सर्प आकृति चित्रित हैं

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

सामान्य परिचय

- चौड़े मुँह वाला कम ऊँचाई का बर्तन।
- सर्प आकृति पूरे बाहरी भाग पर अंकित।
- काले रंग की समानान्तर रेखाएँ बर्तन की गोलाई दर्शाती हैं।
- बर्तन चाक पर बनाया और आग में पकाया गया।

हड़प्पा के बर्तन : भंडारण मर्तबान

बुनियादी सूचना

- पशु आकृतियों की शैली में प्रागैतिहासिक परंपरा का प्रभाव।
- बर्तनों की सज्जा हेतु सम्भवतः विशेषज्ञ चित्रकार नियुक्त।

शीर्षक : बैल एवं हिरण चित्रित बर्तन

- **कलाकार** : अज्ञात
- **माध्यम** : मिट्टी पर खनिज रंग
- **काल** : हड़प्पा काल (2500 ई.पू.)
- **शैली** : हड़प्पा शैली

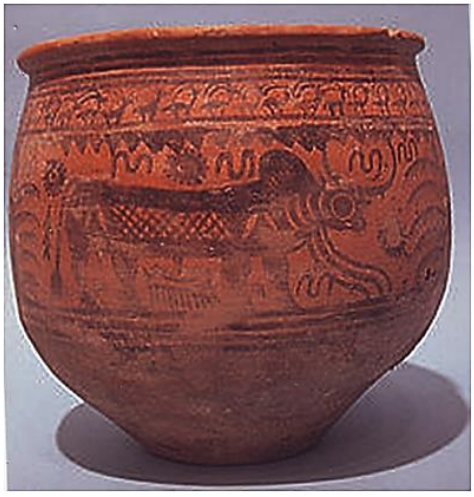

चित्र 2.2: भण्डारण-मर्तबान जिस पर बैल एवं हिरण चित्रित हैं

सामान्य विवरण

- चाक पर आकार देकर बनाया गया मर्तबान।
- उपयोग : तेल, अनाज, भोजन सुरक्षित रखना।
- लाल मर्तबान पर काली धारियों के बीच पशु आकृतियाँ।
- **बैल** शक्ति और बल का प्रतीक।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

चौड़े मुँह वाला पात्र, हड़प्पा के बर्तन

बुनियादी सूचना

- विभिन्न आकारों और मापों के बर्तन प्राप्त।
- उपयोग : भोजन परोसने हेतु कटोरे/प्याले के रूप में।

शीर्षक : बाघ चित्रित पात्र

- **कलाकार** : **अज्ञात**
- **माध्यम** : **मृदा पर खनिज रंग**
- **काल** : **हड़प्पा काल**
- **शैली** : **हड़प्पा शैली**

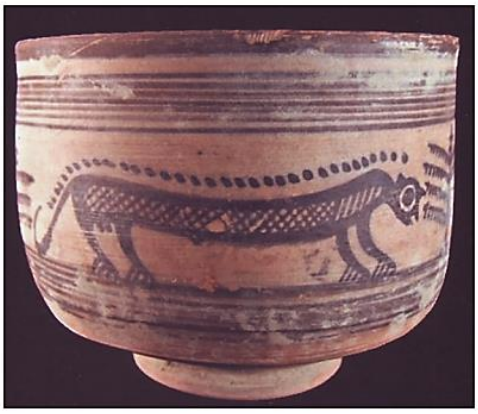

चित्र 2.3: बाघ चित्रित पात्र

सामान्य विवरण

- बाघ आकृति बर्तन की चौड़ाई के अनुसार डिजाइन।
- गोलाकार काली धारियों के बीच आकृति संयोजित।
- तिरछी रेखाओं और बिंदुओं से सज्जा।
- रिक्त स्थान भरने हेतु योजनाबद्ध डिजाइन।

सिंधु घाटी सभ्यता के बर्तनों पर ज्यामितीय आकार

बुनियादी सूचना

- भंडारण और दफनाने वाले बर्तनों पर **ज्यामितीय डिजाइन**।
- प्राचीन नमूने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से।
- गोलाकार, वर्गाकार आदि आकृतियाँ प्रयुक्त।
- काली रेखाओं से सजावट।
- ज्यामितीय अलंकरण आकर्षक और प्रभावशाली।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

शीर्षक : शंकु-आकार / चौड़ी किनारी वाला मर्तबान

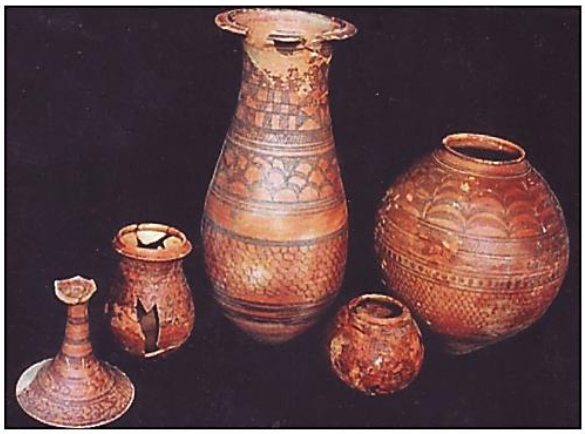

चित्र 2.4: शंकु-आकार या चोटीदार फैले किनारे के मुँहवाला मर्तबान

- **कलाकार** : अज्ञात
- **माध्यम** : मृदा पर खनिज रंग
- **काल** : हड़प्पा काल (2500 ई.पू.)
- **शैली** : हड़प्पा शैली

सामान्य परिचय

- ज्यामितीय डिजाइन व्यवस्थित संयोजित।
- काले रंग से मछली के शल्क जैसे पैटर्न।
- कलाकारों को **ज्यामितीय सिद्धान्तों** की अच्छी समझ।

ज्यामितीय मछली (मोटिफ) चित्रित बर्तन

बुनियादी सूचना

- बर्तनों की सज्जा कलाकारों की महानता दर्शाती है।
- सुंदर अनुपात और सीमित आकार प्रकार।

शीर्षक : ज्यामितीय मछली (मोटिफ) चित्रित बर्तन

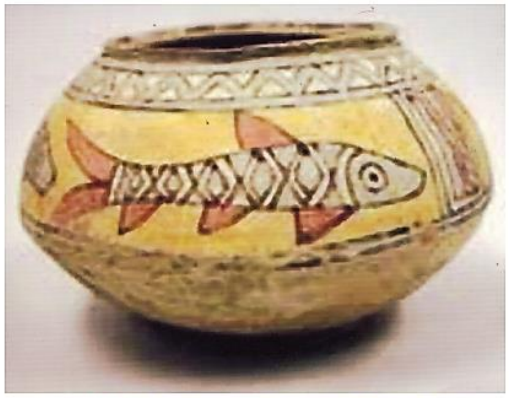

चित्र 2.5: ज्यामितिक मछली (मोटिफ़) चित्रित बर्तन

- **माध्यम** : **मृदा पर खनिज रंग**
- **काल** : **हड़प्पा काल (2500 ई.पू.)**
- **शैली** : **हड़प्पा शैली**

सामान्य परिचय

- चाक पर बनाया गया बर्तन।
- पहले काली रेखाओं से चित्रण, बाद में पीला, सफेद, लाल रंग।
- मछली के शरीर में **त्रिभुजाकार रेखाएँ**।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- रंग योजना संतुलित और सामंजस्यपूर्ण।

सिंधु घाटी बर्तनों पर पक्षी आकृतियाँ

बुनियादी सूचना

- पक्षी आकृतियाँ वनस्पति और ज्यामितीय पैटर्न के साथ चित्रित।
- लाल/हल्की पीली पृष्ठभूमि पर काली रेखाएँ।
- भंडारण मर्तबानों पर भी पक्षी आकृतियाँ।

शीर्षक : मोर आकृति चित्रित भंडारण मर्तबान

- **माध्यम** : मृदा पर खनिज रंग
- **काल** : हड़प्पा काल (2500 ई.पू.)
- **शैली** : हड़प्पा शैली

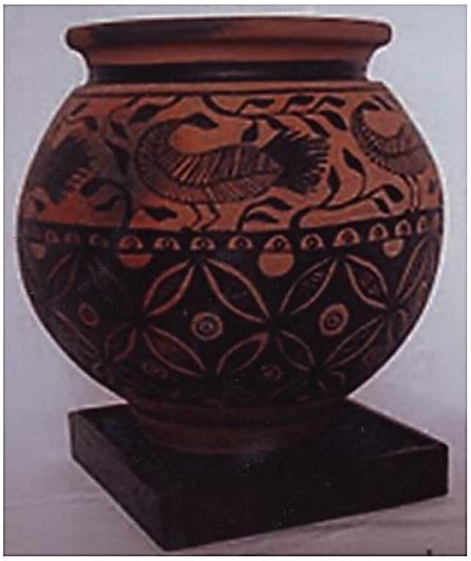

चित्र 2.6: मोर आकृति चित्रित मर्तबान

सामान्य परिचय

- पंख फैलाए मोर की सुंदर आकृति।
- ज्यामितीय सज्जा के बीच संयोजन।
- समान मोटाई की रेखाएँ।
- आकृतियों का विकास और अलंकरण परिष्कृत।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. सिंधु घाटी सभ्यता की चित्रकला की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- सिंधु घाटी सभ्यता की चित्रकला मुख्यतः मिट्टी के बर्तनों पर की गई। इसमें पशु, पक्षी और ज्यामितीय रूपांकन प्रमुख हैं। लाल पृष्ठभूमि पर काली रेखाओं से सजावट की गई। चित्र सजावटी, संतुलित और प्रतीकात्मक हैं, जो कलाकारों की तकनीकी कुशलता दर्शाते हैं।

प्रश्न-2. हड़प्पा बर्तनों में प्रयुक्त माध्यम और शैली बताइए।

उत्तर- हड़प्पा बर्तनों में चित्रांकन के लिए मिट्टी पर खनिज रंगों का प्रयोग किया गया। बर्तन चाक पर बनाए जाते थे और आग में पकाए जाते थे। चित्रों की शैली को हड़प्पा शैली कहा जाता है, जिसमें सजावटी, ज्यामितीय और प्रतीकात्मक रूपांकन प्रमुख हैं।

प्रश्न-3. सिंधु घाटी के बर्तनों पर ज्यामितीय आकृतियों का महत्व लिखिए।

उत्तर- ज्यामितीय आकृतियाँ बर्तनों की सजावट का प्रमुख आधार थीं। इनसे आकर्षक पैटर्न और संतुलन बनाया जाता था। गोलाकार, वर्गाकार और रेखीय डिजाइन कलाकारों की तकनीकी समझ दर्शाते हैं। ये रूपांकन सौंदर्य बढ़ाने के साथ प्रतीकात्मक अर्थ भी व्यक्त करते हैं।

प्रश्न-4. ज्यामितीय मछली (मोटिफ) चित्रित बर्तन का वर्णन कीजिए।

उत्तर- ज्यामितीय मछली मोटिफ वाले बर्तन चाक पर बनाए जाते थे। पहले काली रेखाओं से मछली आकृति बनाई जाती थी, फिर लाल, पीले और सफेद रंग लगाए जाते थे। मछली के शरीर में त्रिभुजाकार पैटर्न बनाए जाते थे, जिससे बर्तन सजावटी और संतुलित दिखता है।

प्रश्न-5. सिंधु घाटी के बर्तनों पर पक्षी आकृतियों की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- सिंधु घाटी के बर्तनों पर पक्षी आकृतियाँ वनस्पति और ज्यामितीय रूपांकन के साथ चित्रित हैं। लाल या हल्की पीली पृष्ठभूमि पर काली रेखाओं से रेखांकन किया गया। मोर आकृति प्रमुख है। आकृतियाँ सजावटी, संतुलित और कलात्मक सौंदर्य को प्रदर्शित करती हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3

अजंता एवं उत्तर-अजंता चित्रकला

परिचय

अजंता एवं उत्तर-अजंता चित्रकला भारतीय भित्तिचित्र परंपरा का उत्कृष्ट उदाहरण है। इन चित्रों में बौद्ध धर्म, जातक कथाएँ और मानव आकृतियों का सुंदर चित्रण मिलता है। यह चित्रकला गुप्तकालीन कला के स्वर्ण युग की महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है।

बोधिसत्व अवलोकितेश्वर

बुनियादी सूचना

- यह अजंता की अत्यंत प्रसिद्ध चित्रकृति है।
- बोधिसत्व को **अवलोकितेश्वर (पद्मपाणि बोधिसत्व)** रूप में चित्रित किया गया।
- अवलोकितेश्वर करुणा के प्रतीक हैं।
- बौद्ध धर्म के **तीन रत्न** : **बुद्ध, धर्म, संघ**।

शीर्षक : बोधिसत्व अवलोकितेश्वर (पद्मपाणि बोधिसत्व)

- **माध्यम** : भित्तिचित्र, टेम्परा (चित्रण विधि)
- **काल** : पाँचवी सदी ईस्वी का उत्तरार्ध
- **गुफा क्रमांक** : प्रथम

चित्र 3.1: पद्मपाणि बोधिसत्व

सामान्य परिचय

- मुकुट, आभूषण और अलंकृत रूप।
- आधी खुली आँखें और शांत भाव।
- रेखांकन सरल रेखाओं से।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- चित्र **ड्राई फ्रेस्को (टेम्परा)** विधि से बनाए गए।
- **पाँच मूल रंग** : **लाल गेरू, पीली मिट्टी, काला, नीला, सफेद**।

अप्सरा

बुनियादी सूचना

- अजंता में **नारी-सौंदर्य** के अनेक रूप चित्रित।
- सामान्य स्त्रियाँ, राजघराने की स्त्रियाँ, नृत्यांगनाएँ और **अप्सराएँ** चित्रित।

शीर्षक : अप्सरा

चित्र 3.2: अप्सरा

- **माध्यम** : भित्तिचित्र, टेम्परा
- **काल** : पाँचवी सदी ईस्वी का उत्तरार्ध
- **गुफा क्रमांक** : सत्रह

सामान्य परिचय

1. अजंता चित्रकला के **छः अंग :**
    - **रूपभेद**
    - **प्रमाण**
    - **भाव**
    - **लावण्य-योजना**
    - **सादृश्य**
    - **वर्णिकाभंग**
2. अप्सरा का गहरा भूरा रंग।
3. अलंकृत वस्त्र और आभूषण।
4. हाथ में **खड़ताल**।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

छत की सजावट

बुनियादी सूचना

- अजंता में **चित्र एवं मूर्तिशिल्प** दोनों से सजावट।
- छत सजावट को दीवारों जितना महत्व।
- मानव आकृतियाँ, पशु-पक्षी और **बेल-बूटे** का प्रयोग।

शीर्षक : छत की सजावट

- **माध्यम** : भित्तिचित्र, टेम्परा
- **काल** : छठी सदी ईस्वी का उत्तरार्ध
- **गुफा क्रमांक** : दो

चित्र 3.3: छत की सजावट

सामान्य परिचय

- चित्रण से पहले सतह तैयार की जाती थी।
- मिट्टी, भूसा, गोबर और गोंद का लेप।
- ऊपर चूने का लेप और पॉलिश।
- आकृतियों की बाहरी रेखाएँ गहरे रंग से।
- सजावट में **हंस, पक्षी, विद्याधर, शंख, कमल** आदि रूपांकन।

बाघ गुफा

बुनियादी सूचना

- बाघ गुफाएँ **मध्य प्रदेश** में स्थित।
- पाँच गुफाएँ — बौद्ध विहार।
- चौथी गुफा सबसे महत्वपूर्ण — **रंगमहल**।
- शैली अजंता के समान पर आकृतियाँ अधिक स्पष्ट।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

शीर्षक : डांसिंग पैनल

चित्र 3.4: डांसिंग पैनल

- **माध्यम** : भित्तिचित्र
- **काल** : सातवीं सदी ईस्वी
- **गुफा क्रमांक** : चार

सामान्य परिचय

- दरबारी नर्तकियों का समूह चित्रण।
- वृत्ताकार नृत्य रचना।
- वाद्य यंत्र और वस्त्र विशेष उल्लेखनीय।
- विदेशी स्त्रियों का भी चित्रण।
- चित्र उस समय की कला और दरबारी संस्कृति दर्शाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. अजंता चित्रकला की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- अजंता चित्रकला भित्तिचित्र पर आधारित है। इसमें बौद्ध धर्म, जातक कथाएँ, मानव आकृतियाँ और सजावटी रूपांकन चित्रित हैं। चित्रों में भाव, संतुलन और रेखांकन की उत्कृष्टता दिखाई देती है। प्राकृतिक रंगों का प्रयोग किया गया तथा टेम्परा विधि से चित्र बनाए गए।

प्रश्न-2. पद्मपाणि बोधिसत्व चित्र का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर- पद्मपाणि बोधिसत्व अजंता की प्रसिद्ध चित्रकृति है। इसमें बोधिसत्व को अलंकृत रूप में शांत भाव के साथ चित्रित किया गया है। आधी खुली आँखें, आभूषण और सरल रेखांकन इसकी विशेषता हैं। यह चित्र भित्तिचित्र और टेम्परा विधि से पाँचवीं सदी में बनाया गया।

प्रश्न-3. अजंता चित्रकला के छह अंग लिखिए।

उत्तर- अजंता चित्रकला के छह अंग हैं - रूपभेद, प्रमाण, भाव, लावण्य-योजना, सादृश्य और वर्णिकाभंग। ये अंग चित्र में आकृति, अनुपात, भाव-प्रस्तुति, सौंदर्य, समानता और रंग संयोजन को नियंत्रित करते हैं। इनसे चित्र संतुलित, प्रभावशाली और कलात्मक बनता है।

प्रश्न-4. छत की सजावट की विधि लिखिए।

उत्तर- छत की सजावट से पहले सतह तैयार की जाती थी। मिट्टी, भूसा, गोबर और गोंद का लेप लगाया जाता था, फिर चूने से पॉलिश की जाती थी। बाहरी रेखाएँ गहरे रंग से बनाकर बाद में रंग भरे जाते थे। सजावट में कमल, पक्षी और बेल-बूटे बनाए जाते थे।

प्रश्न-5. बाघ गुफा चित्रकला की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- बाघ गुफा चित्रकला मध्य प्रदेश में स्थित बौद्ध विहारों में मिलती है। इसकी शैली अजंता के समान है, पर आकृतियाँ अधिक स्पष्ट हैं। डांसिंग पैनल में दरबारी नर्तकियों का समूह चित्रित है। चित्र दरबारी जीवन, नृत्य, वाद्य यंत्र और वस्त्रों को दर्शाते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

4

लोक एवं आदिवासी कला

परिचय

लोक एवं आदिवासी कला भारत की परंपरागत कला है जो जनजातीय जीवन, संस्कृति और विश्वासों को दर्शाती है। यह कला प्राकृतिक रंगों और स्थानीय सामग्री से दीवारों, भूमि तथा वस्तुओं पर बनाई जाती है और पीढ़ी दर पीढ़ी विकसित होती रही है

वारली चित्र

बुनियादी सूचना

- **महाराष्ट्र (ठाणे जिला)** के वारली आदिवासी बनाते हैं।
- विवाह और नई फसल के अवसर पर बनाए जाते हैं।
- सरल, सहज और ज्यामितीय आकृतियाँ।
- मानव, पशु-पक्षी और दैनिक जीवन का चित्रण।
- परंपरागत रूप से दीवारों पर बनाए जाते हैं।

शीर्षक : पालघाट देवी का चौक

- **माध्यम** : जलरंग, खनिज रंग
- **समय** : समकालीन
- **चित्रकार** : जीव्या सोमा माशे

चित्र 15.1: पालघट देवी का चौक

सामान्य विवरण

- विवाह अनुष्ठान हेतु मुख्य दीवार पर बनाया जाता है।
- सूर्य-चंद्र, दूल्हा-दुल्हन, नृत्य, खेती आदि दृश्य।
- लाल मिट्टी की पृष्ठभूमि पर **सफेद रंग** से चित्र।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- चावल के घोल से रंग तैयार।
- घास/टहनी से ब्रश बनाया जाता है।

पिथोरा चित्र

बुनियादी सूचना

- **मध्य प्रदेश (झाबुआ)** और **गुजरात (राठवा)** आदिवासी।
- **पिथोरा देव** को समर्पित चित्र।
- अनुष्ठान पूर्ण होने पर घर की मुख्य दीवार पर बनाए जाते हैं।
- मध्य प्रदेश शैली सरल, गुजरात शैली अधिक सजावटी।

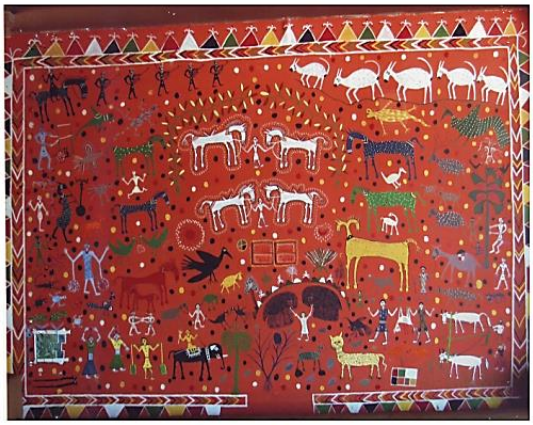

चित्र 15.2: पिथोरा चित्र

शीर्षक : पिथोरा चित्र

- **माध्यम** : जलरंग, खनिज रंग
- **समय** : समकालीन
- **चित्रकार** : अज्ञात

सामान्य विवरण

- दीवार गोबर-मिट्टी से लीपी जाती है।
- आयताकार क्षेत्र — **पिथोरा का घर**।
- घोड़े — पिथोरा देव का प्रतीक।
- देवी-देवता, पशु, पक्षी, दैनिक जीवन दृश्य।
- पारंपरिक चित्रकार — **लखिंद्रा**।

मिथिला अथवा मधुबनी चित्र

बुनियादी सूचना

- **बिहार (मिथिला)** की प्रसिद्ध लोक चित्रकला।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- कोहबर घर की भित्तिचित्र परंपरा से उत्पत्ति।
- विवाह और मांगलिक अवसर से संबंध।
- वर्तमान में कागज, कपड़ा, प्लाईबोर्ड पर भी बनाए जाते हैं।

शीर्षक : कोहबर चित्र

- **माध्यम** : कोहबर चित्रण
- **समय** : समकालीन
- **चित्रकार** : गंगा देवी

चित्र 15.3: कोहबर चित्र

सामान्य विवरण

- दीवार पर चावल के घोल से आधार।
- पहले रेखांकन — कोयला/बांस से।
- प्राकृतिक रंग — हल्दी, कालिख, फूल आदि।
- पूरे चित्र में खाली स्थान नहीं छोड़ा जाता।
- उर्वरता और मांगलिक प्रतीक प्रमुख।

कालीघाट चित्रशैली

बुनियादी सूचना

- उत्पत्ति — **कोलकाता (कालीघाट)**।
- काली मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों हेतु बनाए गए।
- कागज पर **जलरंग** से चित्र।
- आकृतियों का सरलीकरण और तेज रेखांकन।
- बाद में सामाजिक विषयों का चित्रण।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

शीर्षक : सीता एवं लव-कुश

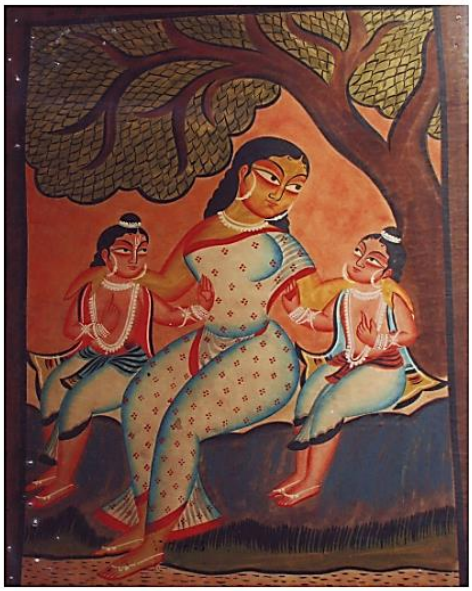

चित्र 15.4: सीता एवं लव-कुश

- **माध्यम** : जलरंग
- **समय** : समसामयिक
- **चित्रकार** : अज्ञात

सामान्य विवरण

- रामायण से दृश्य।
- सरल संयोजन और स्पष्ट आकृतियाँ।
- रेखांकन प्रमुख।
- छाया-प्रकाश से आयतन प्रभाव।
- बड़े नेत्र - शैली की विशेषता।

कलमकारी

बुनियादी सूचना

- कपड़े पर **कलम और रंग** से चित्रण।
- ब्लॉक प्रिंटिंग और हाथ से चित्रण दोनों।
- शब्द — **कलम + कारी**।
- मुगल संरक्षण में विकास।
- व्यापार एशिया और यूरोप तक।

शैलियाँ

- **श्रीकालहस्ती शैली** — केवल कलम से चित्रण, धार्मिक विषय।
- **मछलीपट्टनम शैली** — ब्लॉक प्रिंटिंग + कलम।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

शीर्षक : सीता-स्वयंवर

चित्र 15.5: सीता-स्वयंवर

- **माध्यम** : कलमकारी
- **समय** : समसामयिक
- **चित्रकार** : अज्ञात

सामान्य विवरण

- धार्मिक कथानक आधारित चित्र।
- काली रेखाओं से स्पष्ट रेखांकन।
- प्राकृतिक रंग — **काला, लाल, नीला, पीला**।
- प्रक्रिया चरणबद्ध — धुलाई, रेखांकन, रंगाई, सुखाना।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

TOP 5 QUESTIONS

प्रश्न-1. लोक एवं आदिवासी कला क्या है?

उत्तर- लोक एवं आदिवासी कला जनसामान्य और जनजातीय समुदायों की पारंपरिक कला है। यह स्थानीय सामग्री और प्राकृतिक रंगों से बनाई जाती है। इसमें दैनिक जीवन, प्रकृति, धार्मिक विश्वास और अनुष्ठानों का चित्रण होता है। यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती रहती है।

प्रश्न-2. वारली चित्रकला की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- वारली चित्रकला महाराष्ट्र के वारली आदिवासियों द्वारा बनाई जाती है। इसमें ज्यामितीय आकृतियों से मानव, पशु और दैनिक जीवन दर्शाया जाता है। लाल मिट्टी की पृष्ठभूमि पर सफेद रंग प्रयोग होता है। चित्र विवाह, उत्सव और कृषि से संबंधित होते हैं।

प्रश्न-3. पिथोरा चित्रकला का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर- पिथोरा चित्रकला मध्य प्रदेश और गुजरात के आदिवासियों द्वारा बनाई जाती है। यह पिथोरा देव को समर्पित अनुष्ठानिक भित्तिचित्र है। घर की मुख्य दीवार पर बनाया जाता है। इसमें घोड़े, देवी-देवता, पशु और दैनिक जीवन के दृश्य चित्रित होते हैं।

प्रश्न-4. मधुबनी चित्रकला की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- मधुबनी चित्रकला बिहार के मिथिला क्षेत्र की लोक कला है। यह कोहबर परंपरा से जुड़ी है और विवाह तथा मांगलिक अवसरों पर बनाई जाती है। प्राकृतिक रंगों का प्रयोग होता है। चित्रों में खाली स्थान नहीं छोड़ा जाता तथा सजावटी रूपांकन प्रमुख होते हैं।

प्रश्न-5. कलमकारी क्या है? इसकी प्रमुख शैलियाँ बताइए।

उत्तर- कलमकारी कपड़े पर कलम और प्राकृतिक रंगों से चित्रण की कला है। इसमें धार्मिक कथानक और सजावटी रूपांकन बनाए जाते हैं। इसकी दो प्रमुख शैलियाँ हैं - श्रीकालहस्ती शैली, जिसमें हाथ से चित्रण होता है, और मछलीपट्टनम शैली, जिसमें ब्लॉक प्रिंटिंग भी होती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/